

---

संम्पूर्ण  
NCERT सार  
सामान्य विज्ञान  
(General Science)  
वन लाइनर  
कक्षा - VI - XII

प्रधान सम्पादक


आनन्द कुमार महाजन

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण एवं आशीष गिरि

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

 फोन : 9415650134

Email : yctap12@gmail.com

Website : [www.yctbooks.com](http://www.yctbooks.com)/[www.yctbook.com](http://www.yctbook.com)

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E: Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर,  
वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

---

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में पूर्ण सावधानी बरती गई है  
फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव सादर आमंत्रित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

---

# विषय सूची

## सामान्य विज्ञान

<b>भौतिक विज्ञान.....</b>	<b>4-44</b>
■ मात्रक/इकाई एवं भौतिक राशियाँ .....	4
■ विभिन्न मापक यंत्र .....	8
■ यांत्रिकी एवं गुरुत्व के अधीन गति .....	11
■ स्थूल पदार्थों के गुण .....	17
■ ध्वनि एवं तरंग गति .....	19
■ ऊष्मा एवं ऊष्मा गतिकी .....	22
■ प्रकाश .....	25
■ विद्युत एवं विद्युत चुम्बकीय प्रेरण .....	31
■ चुम्बकत्व .....	34
■ नाभिकीय भौतिकी/आधुनिक भौतिकी .....	36
■ प्रमुख वैज्ञानिक आविष्कार .....	37
■ विविध .....	41
<b>रसायन विज्ञान.....</b>	<b>45-77</b>
■ अणु, परमाणु एवं उसकी संरचना .....	45
■ रासायनिक एवं भौतिक परिवर्तन/संयोजकता/रासायनिक बंध .....	47
■ अकार्बनिक रसायन/तत्त्वों का आवर्ती वर्गीकरण/वैद्युत अपघटन .....	48
■ धातु, खनिज एवं अयस्क .....	51
■ कार्बनिक रसायन-हाइड्रोकार्बन, एल्कोहल, बहुलक एवं कार्बनिक अम्ल.....	56
■ कार्बन, हाइड्रोजन, ऑक्सीजन एवं उसके यौगिक .....	61
■ अम्ल, क्षार एवं लवण .....	64
■ अक्रिय गैसों ऑक्सीकरण और अपचयन .....	67
■ मिश्र धातुएँ रेडियोएक्टिवता एवं नाभिकीय ऊर्जा .....	67
■ अपमार्जक एवं उर्वरक .....	68
■ ईंधन एवं विस्फोटक पदार्थ .....	69
■ विविध .....	71
<b>जीव विज्ञान.....</b>	<b>78-146</b>
■ जीव विज्ञान का परिचय एवं विभिन्न शाखाएँ/उपशाखाएँ.....	78
■ जीवधारियों का वर्गीकरण .....	79
■ जैव विकास एवं आनुवंशिकी गुणसूत्र.....	82

■ कोशिका, ऊतक एवं अंग .....	84
■ मानव शरीर क्रिया विज्ञान/प्रजनन तंत्र .....	89
■ अंतःस्रावी ग्रंथियाँ एवं हार्मोन .....	92
■ पाचन, उत्सर्जन कंकाल एवं तंत्रिका श्वसन तंत्र .....	94
■ रक्त की संरचना एवं परिसंचरण तंत्र .....	99
■ विटामिन एवं पोषण प्रोटीन/वसा/कार्बोहाइड्रेट/एन्जाइम .....	103
■ मानव रोग-उपचार तथा उनसे संबंधित उपकरण .....	112
■ पादप जगत/पादप वर्ग/पादप संघ/शैवाल .....	126
■ जीवाणु, विषाणु एवं कवक .....	135
■ प्रकाश संश्लेषण .....	137
■ जैव उर्वरक .....	138
■ प्रमुख जैव वैज्ञानिक/आविष्कार.....	139
■ विविध .....	139

### **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी .....146-189**

■ अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी .....	146
■ रक्षा प्रौद्योगिकी.....	155
■ आनुवंशिक इंजीनियरिंग एवं जैव प्रौद्योगिकी .....	159
■ कम्प्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी .....	159
■ विविध .....	186

### **पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी .....190-216**

■ पर्यावरण : एक परिचय .....	190
■ जैव मण्डल एवं बायोम .....	190
■ पारिस्थितिकी एवं पारिस्थितिकी तंत्र .....	192
■ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रकार्य एवं पदार्थों का संचरण .....	194
■ पर्यावरण प्रदूषण .....	195
■ जैव विविधता एवं उसका संरक्षण .....	198
■ ग्रीन हाउस गैसों एवं उनका प्रभाव .....	199
■ जलवायु परिवर्तन एवं उससे सम्बन्धित संगठन एवं सम्मेलन .....	200
■ आजो न क्षरण एवं नियंत्रण हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयास .....	201
■ वन, वन्य जीव एवं इसका संरक्षण .....	203
■ अभयारण्य एवं जैव मण्डल रिजर्व .....	205
■ ऊर्जा संसाधन .....	210
■ पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठन एवं सम्मेलन .....	211
■ जल संरक्षण .....	212
■ विविध .....	213

# सामान्य विज्ञान (General Science)

भौतिक विज्ञान		
मात्रक/इकाई एवं भौतिक राशियाँ		
■ प्रकाश वर्ष .....के मापन की इकाई है—	एक वर्ष में निर्वात में प्रकाश द्वारा चली गई दूरी की	UPSSSC PET 24/08/2021 Shift-I UPSI 22.11.2021 Shift-II UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-I) UP Lower (M) G.S. 2013
■ एक हॉर्स पावर लगभग ..... वाट के बराबर होता है—	746 वाट	UPSSSC PET 16.10.2022 Shift-I SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-I) SSC CPO-SI 24/11/2020 (Shift-I) SSC CGL (Tier-I)-2019 – 03/03/2020 (Shift-III)
■ प्रतिरोध की S.I इकाई है—	ओह्म	UPSSSC PET 24/08/2021 Shift-II (SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 1.15 pm) (SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 1.15 pm)
■ विद्युत शक्ति की वाणिज्यिक इकाई है—	किलो-वाट-आवर	UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-II UPPSC Asst. Forest Conservator Exam 2015
■ अदिश राशि है—	कार्य	लोअर तृतीय - 26-06-2016
■ प्रतिबल (stress) की SI इकाई है—	पास्कल	Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I) (SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)
■ आयतन की SI इकाई है—	घन मीटर	Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)
■ समय की SI इकाई है—	सेकण्ड	Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I) SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-II)
■ चुंबकीय प्रेरण का SI मात्रक है—	टेस्ला	लोअर तृतीय - 26-06-2016 (SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm) UPSI Batch-1, 19 Dec 2017
■ किसी संगीत यंत्र की ध्वनि तीव्रता मापी जाती है—	डेसीबल में	लोअर द्वितीय- 06-03-2016
■ आवृत्ति मापने की इकाई का नाम है—	हर्ट्ज	गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I) SSC MTS 27/10/2021 (Shift-I)
■ पराध्वनिक गति का मापांकन किया जाता है—	मैक संख्या द्वारा	कनिष्ठ सहायक - 31-05-2015
■ S.I. पद्धति में बल (force) का मात्रक है—	न्यूटन	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)
■ वायुमण्डलीय दबाव की इकाई है—	बार	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)
■ कार्य तथा ऊर्जा की इकाई है—	जूल	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I) UPPCS (Pre) G.S. 1996 SSC Stenographer – 11/11/2021 : Shift-II SSC CHSL 19/10/2020 (Shift-I) Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)
■ गतिशील श्यानता की SI इकाई है—	पास्कल सेकंड	कृषि प्राविधिक - 15-02-2019
■ शक्ति का मात्रक है—	जूल/सेकण्ड	कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पेटिटिव - 24-01-2016

■ दाब की इकाई है-	पास्कल	लोअर प्रथम- 28-02-2016 व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I) SSC JE Mechanical 28.10.2020 (Shift-II) SSC CHSL 04.08.2021 (Shift-I)
■ बिजली के करंट का एस.आई. यूनिट है-	एम्पियर	व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-I) (UP SI/ ASI 2018)
■ माप इकाईयों की CGS प्रणाली की परिभाषा है-	सेंटीमीटर, ग्राम, सेकण्ड	Lower Exam - 01-10-2019 (Shift-II)
■ 1 वाट-घण्टा बराबर है-	3600 जूल	कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पटेटिव - 24-01-2016
■ 1 वोल्ट बराबर होता है-	1 जूल प्रति कूलम्ब	लोअर प्रथम- 28-02-2016
■ कार्य, गतिज ऊर्जा तथा स्थितिज ऊर्जा हैं-	अदिश राशियाँ	अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)
■ वह भौतिक मात्रा जिसका आयाम $[ML^2T^{-2}]$ है-	किया गया कार्य	राजस्व निरीक्षक - 17-07-2016 (Paper-I)
■ तरंगदैर्घ्य की इकाई है-	मीटर	UPSSSC ASO 22/05/2022
■ वह उपकरण जिसे परिपथ में हमेशा श्रेणीक्रम में जोड़ा जाता है और इसके माध्यम से परिपथ के विद्युत-प्रवाह को मापा जाता है, उसे कहते हैं-	एमीटर	UPSI 21.11.2021 Shift-III
■ शक्ति की भौतिक मात्रा की विमा है-	$M^1L^2T^{-3}$	(UPP Constable 27.01.2019 Shift-I)
■ भोजन ऊर्जा को मापने की यूनिट का नाम है-	कैलोरी	UPSI, 1999
■ समान भौतिक मात्रा की इकाईयों का प्रतिनिधित्व करता है-	जूल एवं कैलोरी	UPPSC AE 2021
■ विद्युत विभव के संदर्भ में सही कथन है-	यह एक अदिश राशि है	UPPCS (Pre) Exam 2021
■ 'रिगेलमेन स्केल' का प्रयोग के घनत्व मापन में होता है-	धुआँ	UPPCS (Pre) Exam 2021
■ तेल का एक "बैरल" लगभग होता है-	159 लीटर	UPPCS (Pre) G.S. 2009
■ चन्द्रमा की सतह से एक चट्टान को पृथ्वी पर लाया जाता है, तब- इसका भार बदल जाएगा परन्तु द्रव्यमान नहीं		UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper 2008
■ सदिश राशि है-	विस्थापन	UP RO/ARO (M) 2014
■ माप की वह इकाई जिसको 0.39 से गुणा करने पर 'इन्च' प्राप्त होता है-	सेन्टीमीटर	UP UDA/LDA (Pre) 2010
■ इलेक्ट्रान वोल्ट इकाई होती है-	ऊर्जा की	UP UDA/LDA (Pre) 2006
■ मेगावाट बिजली के नापने की इकाई है जो-	विद्युत उत्पादन की	UP Lower (Pre) 1998
■ एक किलोवाट घंटा का मान होता है-	$3.6 \times 10^6$ J	UPPCS (Pre) G.S. 2009
■ हवाई जहाज तथा पोटों की गति 'नॉट' में प्रदर्शित की जाती है। 100 नॉट की गति होगी- 115 मील प्रति घण्टा के बराबर		UPPSC Food & Sanitary Inspector Exam. 2013
■ वायु की गति नापी जाती है-	ऐनीमोमीटर से	UPPCS (Pre.) G.S. 2016
■ दूरी की इकाई नहीं है-	वर्ग मील	Govt. Inter College (Pravakta) Exam 2009
■ वेक्टर परिमाण है-	बल	UPPSC AE-2013
■ भौतिक राशि (physical quantities) की SI इकाई वही है जो कार्य (work) की है- ऊर्जा		SSC MTS/Havaldar- 07/07/2022 (Shift-III) SSC JE Electrical 09/10/2023 (Shift-III)
■ CGS (सेंटीमीटर - ग्राम -सेकंड) प्रणाली में चुंबकीय तीव्रता का मात्रक है-	ओस्ट्रेड	SSC CHSL (Tier-II) - 26/06/2023
■ एक गैर -एस. आई. (non-SI) इकाई जिसे 'निट (nit)' कहा जाता है, निम्न में प्रकाशमिति राशि की इकाई है जिसका उपयोग प्रकाश की तीव्रता की बहुलता को मापने के लिए किया जाता है-	जयोतिर्मयता (ल्यूमिनेंस)	SSC CGL (Tier-1)- 18/07/2023 (Shift-III)
■ टेस्ला नामक SI व्युत्पन्न इकाई में मापा जाता है-	चुंबकीय अभिवाह घनत्व	SSC Stenographer - 11/11/2021 : Shift-II (SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)
■ प्रकाश की तरंगदैर्घ्य को मापने की इकाई है-	ऐंग्स्ट्रॉम	SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)

■ गॉस (Gauss) नामक इकाई में मापा जाता है-	चुंबकीय प्रेरण	SSC CHSL 12/04/2021 (Shift-II)
■ युग्म ऊर्जा की इकाई दर्शाता है-	कैलोरी और जूल	SSC GD 14/12/2021 (Shift-II)
■ 1820 में खोजी गई कौन-सी आधार इकाई, प्रति सेकंड एक कूलाम्ब विद्युत आवेश को दर्शाती है-	एम्पियर	SSC CHSL 27/05/2022 (Shift-III)
■ भौतिक मात्रा एंट्रॉपी की इकाई है-	जूल प्रति केल्विन	(SSC CPO (TIER-1) 2016)
■ ध्वनि की तीव्रता मापने की इकाई-	डेसीबल	SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-II) (SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 10 am) SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 10 am SSC JE Civil - 23/01/2018 (Shift-I)
■ पदार्थ की मात्रा की मूल SI इकाई दर्शायी जाती है-	mole द्वारा	SSC JE Electrical 28.10.2020 (Shift-I) (SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 1.15 pm) SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)
■ पारसेक ..... के मापन की एक इकाई है-	लम्बाई	SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I) SSC CGL (TIER-1) 10-09-2016, 10 am
■ 'ऐंग्स्ट्रॉम' ..... के मापन की इकाई है-	लम्बाई	SSC JE Civil - 23/09/2019 (Shift-I)
■ विद्युत आवेश का S.I. मात्रक है-	कूलॉम	SSC JE Civil - 25/09/2019 (Shift-I)
■ 1 पास्कल के बराबर है-	1 न्यूटन प्रति वर्ग मीटर	SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-I)
■ डायोप्टर.....की इकाई है-	लेंस की क्षमता	SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)
■ भौतिक मात्रा विद्युत चालकता की इकाई है-	सीमेंस	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 1.15 pm) (SSC 10+2 CHSL 08.01.17, 4.15 pm) SSC CPO-SI 25/11/2020 (Shift-I)
■ भौतिक मात्रा "जर्क" की इकाई है-	मीटर प्रति सेकंड घन	(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 4.15 pm)
■ भौतिक मात्रा "चुंबकीय प्रवाह" की इकाई है-	वेबर	(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 1.15 pm) SSC JE Civil 30.10.2020 (Shift-I) SSC GD 03/03/2019 (Shift-I)
■ भौतिक मात्रा "चुम्बकीय क्षेत्र की ताकत" की इकाई है-	एम्पियर प्रति मीटर	(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 10 am) SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-I)
■ भौतिक मात्रा 'प्रेरकत्व' की इकाई है-	हेनरी	(SSC 10+2 CHSL 02.02.17, 10 am)
■ भौतिक मात्रा 'यंग मापांक' की इकाई है-	पास्कल	(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 4.15 pm)
■ भौतिक मात्रा "ऊष्मा क्षमता" की इकाई है-	जूल प्रति केल्विन	(SSC 10+2 CHSL 31.01.17, 4.15 pm)
■ भौतिक मात्रा "धारिता (कैपसिटेंस)" की इकाई है-	फैराडे	(SSC 10+2 CHSL 31.01.17, 10 am) (SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 1.15 pm)
■ भौतिक मात्रा (रेडियोधर्म) गतिविधि की इकाई है-	बेकुरल	(SSC 10+2 CHSL 31.01.17, 1.15 pm)
■ भौतिक मात्रा, संवेग की इकाई है-	न्यूटन सेकंड	(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 4.15 pm) SSC MTS 13/08/2019 (Shift-I)
■ भौतिक मात्रा ज्योति की इकाई है-	लक्स	(SSC 10+2 CHSL 29.01.17, 10 am)
■ आपेक्षिक घनत्व की इकाई है-	इनकी कोई इकाई नहीं होती	(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 4.15 pm)
■ भौतिक मात्रा की इकाई पास्कल नहीं है-	जड़त्व आघूर्ण	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 10 am)
■ लंबाई की SI (इकाईयों की अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली) इकाई है-	मीटर	SSC CPO-SI – 13/12/2019 (Shift-I)
■ द्रव्यमान की एसआई (SI) इकाई है-	किलोग्राम	SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-I)

■ ऊष्मागतिक तापक्रम का मूल एस. आई (SI) मात्रक है—	केल्विन	SSC CHSL 20/10/2020 (Shift-I) SSC CHSL 18/03/2020 (Shift-III) SSC CHSL (Tier-I) –10/07/2019 (Shift-I)
■ भौतिकी में दाब का सूत्र है—	बल/क्षेत्रफल	SSC MTS 08/08/2019 (Shift-II)
■ निम्न राशि की इकाई का नाम ब्लेज पास्कल के नाम पर रखा गया है—	दाब	SSC MTS 05/08/2019 (Shift-I)
■ टॉर ——— का मात्रक है—	दाब	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 07/03/2020 (Shift-III)
■ निम्न मात्रक वही मात्रा मापता है, जो SI इकाई 'पास्कल' द्वारा मापी जाती है—	टॉर	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)
■ निम्न राशि के लिए समय की इकाई भाजक (डिनामिनेटर) में दो बार दिखाई देती है—	त्वरण	SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-II)
■ ऊष्मा की मात्रा की एसआई (SI) इकाई है—	जूल	SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)
■ atm और bar के बीच संबंध है—	1 atm = 1.013 bar	SSC CHSL (Tier-I) – 04/08/2023 (Shift-III)
■ 1 पाउंड = ——— औंस—	16	SSC MTS 08/08/2019 (Shift-III)
■ मोह्स पैमाने का प्रयोग किया जाता है—	खनिजों की कठोरता को मापने के लिए	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 4.15 pm)
■ एक नैनोमीटर.....मीटर के तुल्य होता है—	10 की घात (-9)	(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 4.15 pm) UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper, 2004
■ इसका इस्तेमाल मौसम विज्ञानियों द्वारा सौर विकिरण को समतल सतह पर आपतन के गोलाकार क्षेत्र को मापने के लिए किया जाता है—	पाइरैन्मीटर	SSC Selection Posts XI– 27/06/2023 (Shift-I)
■ एक सदिश राशि है—	वैद्युत क्षेत्र	SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-I) SSC JE Electrical 10/10/2023 (Shift-II)
■ दो सदिश (वेक्टर) बराबर होते हैं यदि—	उनके परिमाण और दिशा दोनों एक हों	(SSC CGL (TIER-I) 11-09-2016, 4.15 pm)
■ वह मात्रा या घटना जिसके दो स्वतंत्र गुण - परिमाण और दिशा होते हैं, कहलाती है—	सदिश	SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-II)
■ निम्न भौतिक मात्राओं में, एक अदिश राशि है—	यंग का मापांक	(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 10 am)
■ एक अदिश राशि नहीं है—	बलाघूर्ण	SSC CHSL 21/10/2020 (Shift-I)
■ सही सुमेलन है— सूची-I ( मात्रा ) दाब लेंस की क्षमता ऊष्मा रेडियो एक्टिव पदार्थ की सक्रियता	सूची-II ( एस.आई. मात्रक ) पास्कल डायोप्टर जूल बेकुरेल	UPPCS (Pre) Exam 2022
■ सही सुमेलन है— सूची-I ( भौतिक राशि ) दाब शक्ति (बल) तापक्रम ऊर्जा	सूची-II ( इकाई एस.आई. ) पास्कल न्यूटन केल्विन जूल	UPPSC ACF/RFO 2021 Mains GS Paper II
■ सही सुमेलन है— सूची-I ( यंत्र का नाम ) A. एनीमोमीटर B. एमीटर C. टैकोमीटर D. पायरोमीटर	सूची-II ( राशियाँ जो ये नापते हैं ) 1. वायु गति 2. विद्युत धारा 3. घूर्णन की गति 4. उच्च ताप	BEO exam-2006 (I)

<p>■ सही सुमेलन है—</p> <p><b>सूची-I</b> ( राशि )</p> <p>A. उच्च वेग B. तरंगदैर्घ्य C. दाब D. ऊर्जा</p>	<p><b>सूची-II</b> ( इकाई )</p> <p>1. मैक 2. एंग्स्ट्रॉम 3. पास्कल 4. जूल</p>	UPPCS (Pre) G.S. 2006
<p>■ सही सुमेलन है—</p> <p><b>सूची-I</b> ( भौतिक राशियाँ )</p> <p>A. त्वरण B. बल C. कृत कार्य D. आवेग</p>	<p><b>सूची-II</b> ( इकाई )</p> <p>1. मीटर/सेकेण्ड<sup>2</sup> 2. न्यूटन 3. जूल 4. न्यूटन-सेकेण्ड</p>	UPPCS (Pre) G.S. 2003, 2005
<p>■ सही सुमेलन है—</p> <p><b>सूची-I</b></p> <p>A. क्यूसेक B. बाइट C. रिक्टर D. बार</p>	<p><b>सूची-II</b></p> <p>1. द्रव प्रवाह की दर 2. कम्प्यूटर 3. भूकम्प की तीव्रता 4. दाब</p>	UP Lower (Pre) Spl. 2008
<p>■ सही सुमेलन है—</p> <p><b>सूची-I</b></p> <p>A. तरंगदैर्घ्य B. ऊर्जा C. ध्वनि की तीव्रता D. आवृत्ति</p>	<p><b>सूची-II</b></p> <p>1. आंग्स्ट्रॉम 2. जूल 3. डेसीबल 4. हर्ट्ज</p>	UP Lower (Pre) 2004
<p>■ सही सुमेलन है—</p> <p><b>सूची-I</b> ( इकाई )</p> <p>A. वाट B. नॉट C. नॉटिकल मील D. कैलोरी</p>	<p><b>सूची-II</b> ( प्राचल )</p> <p>1. शक्ति 2. समुद्री जहाज की गति 3. नौसंचालन की दूरी 4. ऊष्मा</p>	UP Lower (Pre) 2002

#### विभिन्न मापक यंत्र

<p>■ द्रवों का घनत्व मापने के लिए ..... उपकरण का उपयोग किया जा सकता है—</p> <p><b>पिक्नोमीटर</b></p>	(UPP Constable 28.01.2019)
<p>■ वायुमंडल में आद्रता को मापने के लिए उपयोग किया जाता है—</p> <p><b>हाइग्रोमीटर का</b></p>	<p>UPSSSC JE 2016 (Exam date 19/12/2021)</p> <p>अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)</p> <p>UP Kanoongo Exam 2015</p>
<p>■ दूध का घनत्व मापने के लिए प्रयुक्त किया जाता है—</p> <p><b>लैक्टोमीटर का</b></p>	<p>गन्ना पर्यवेक्षक - 03-07-2016 (Paper-I)</p> <p>SSC JE Electrical 10.12.2020 (Shift-II)</p>
<p>■ रेडियोधर्मिता मापी जाती है—</p> <p><b>गिगर-मूलर काउंटर के द्वारा</b></p>	लोअर प्रथम- 28-02-2016
<p>■ सागर की गहराई को मापने के लिये ..... उपकरण इस्तेमाल किया जाता है—</p> <p><b>फैथोमीटर</b></p>	<p>लोअर तृतीय - 26-06-2016</p> <p>(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 10 am)</p>

■ टर्मिनल डॉप्लर वेदर रडार (T.D.W.R.) प्रयुक्त किया जाता है- <b>खराब मौसम में हवाई जहाजों को उतारने में</b>	अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)
■ वह यंत्र जिसका उपयोग अवशोषित या विकसित ऊष्मा (heat) को मापने के लिए किया जाता है- <b>कैलोरीमीटर</b>	Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)
■ वर्षा को मापने के लिए ..... उपकरण का उपयोग किया जाता है जिसमें वर्षा के पानी का इकट्ठा करने के लिए शीर्ष पर एक फ़नल के साथ मापने वाला सिलेंडर होता है- <b>रेन गेज</b>	UPSI 22.11.2021 Shift-II
■ हवा के बल और वेग को मापने के लिए प्रयोग किया जाता है- <b>एनिमोमीटर का</b>	UPP Constable, 19.06.2018 (Shift-2) SSC JE Civil - 25/09/2019 (Shift-I) (SSC CGL (TIER-1) 31-08-2016, 4.15 pm) (SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 1.15 pm) (SSC CGL 08-09-2016, 10 am)
■ BMI की गणना के लिए सूत्र है- <b>वजन (कि.ग्रा. में)/(लम्बाई)<sup>2</sup> (मीटर<sup>2</sup> में)</b>	UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-I)
■ अन्वेषण के दौरान झूठ पकड़ने के लिये प्रयोग किया जा सकता है- <b>नार्को टेस्ट, ब्रेन मैपिंग टेस्ट, पोलीग्राफ टेस्ट</b>	UPSI (Ranker), 2011
■ वह उपकरण जिसका उपयोग मानचित्र पर दूरी नापने के लिए होता है- <b>ओपीसोमीटर</b>	UPSI, 1999
■ वायुदाब को नापने वाला उपकरण है- <b>बैरोमीटर</b>	UPSI, 1991 SSC JE Mechanical 27.10.2020 (Shift-II) (SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 10 am) (SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 10 am)
■ अतिसूक्ष्म समय अन्तराल (नैनो सेकण्ड से कम) यथार्थतः नापे जाते हैं- <b>परमाणु घड़ी द्वारा</b>	BEO exam-2006 (I)
■ पायरोमीटर कहा जाता है- <b>विकिरण तापमापी को</b>	UPPCS (Pre.) G.S. 2016
■ पाइरहिलियोमीटर का प्रयोग किया जाता है- <b>सोलर रेडिएशन को नापने के लिए</b>	UPPCS (Pre.) Re-exam 2015
■ 1500 <sup>0</sup> सेन्टीग्रेड से अधिक ताप मापन हेतु प्रयोग में लाया जा सकता है- <b>पायरोमीटर</b>	UP UDA/LDA 2016 UP Lower (Pre) 2013 UP UDA/LDA Spl. (Pre) 2010
■ अत्यधिक उच्च ताप को मापने में प्रयोग किया जाता है- <b>पायरोमीटर का</b>	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper, 2016 SSC MTS 12/10/2021 (Shift-II)
■ वह थर्मामीटर जो 2000 <sup>0</sup> C मापने हेतु उपयुक्त हो, वह है- <b>पूर्ण विकिरण पायरोमीटर</b>	UPPCS (Pre) G.S. 2009 Lower (Pre) 2008
■ 'सोनार' अधिकांशतः प्रयोग में लाया जाता है- <b>नौसंचालकों द्वारा</b>	UPPCS (Pre) G.S. 2004
■ भूकम्प की तीव्रता का मापन किया जाता है- <b>सिस्मोग्राफ के द्वारा</b>	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2014 SSC CGL (Tier-1)- 17/07/2023 (Shift-II) SSC (10 + 2) CHSL 10.01.2017, 4:15 PM SSC JE Civil 23.03.2021 (Shift-I)
■ कलाई घड़ियों में, प्रदर्शन युक्तियों में एवं पॉकेट कैलकुलेटर्स में प्रयुक्त होते हैं- <b>द्रव क्रिस्टल</b>	UPPCS (Pre) G.S. 1996
■ रक्त दाब मापने के यंत्र का नाम है- <b>स्फिग्मोमैनोमीटर</b>	UPPCS (Pre) G.S. 2007
■ डॉक्टरों द्वारा प्रयुक्त होने वाला स्टैथोस्कोप जिस सिद्धान्त पर कार्य करता है वह है- <b>ध्वनि तरंगों का अध्यारोपण</b>	UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004
■ आक्सैनोमीटर का प्रयोग करता है- <b>पौधों की वृद्धि दर नापने में</b>	UPPCS (Main) G.S. IInd 2010
■ पारे का साधारणतया तापमापी यंत्रों में उपयोग किया जाता है क्योंकि इसकी विशेषता है- <b>उच्च संचालन शक्ति</b>	UP Lower (Pre) 2002
■ वस्तु की ऊँचाई नापने के लिए प्रयुक्त होता है- <b>एक सेक्सटेंट</b>	UPPSC Asst. Forest Conservator Exam 2013
■ प्रकाश की तीव्रता नापने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता है, उसे कहते हैं- <b>लक्समीटर</b>	UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper, 2004

■ आमतौर पर समुद्र की गहराई मापी जाती है-	फैदम में	UPPSC AE- 2007 Paper (I)
■ झूठ का पता लगाने में पॉलीग्राफ, जब सवालों के उत्तर दिये जाते हैं, तो यह माप करता है-	मस्तिष्क की सक्रियता एवं हृदय गति दर	UPPSC AE-2008
■ डॉक्टर के स्टैथोस्कोप में ध्वनि बढ़ जाती है, इसका कारण है-	ध्वनि का परावर्तन	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ सोनोग्राफी में तरंगें/किरणें प्रयुक्त होती हैं-	पराश्रव्य तरंगें	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ 'फेम्टो' का अर्थ है, दस की घात-	-15	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-I)
■ विंड वेन (Wind vane) यंत्र निर्धारित करता है-	पवन की दिशा	SSC MTS – 15/05/2023 (Shift-I)
■ पानी के अंदर, ध्वनिक संकेतों का पता लगाने के लिए उपयोग किया जाता है-	हाइड्रोफोन	SSC Stenographer – 15/11/2021 : Shift-II
■ रोमर पैमाने (Reaumur Scale) के द्वारा निम्न मापा जा सकता है-	तापमान	SSC Stenographer – 15/11/2021 : Shift-I
■ निम्न उपकरण का उपयोग विद्युत प्रवाह के मापन के लिए किया जाता है, चाहे वह दिष्ट धारा हो या प्रत्यावर्ती धारा-	एमीटर	SSC MTS 05/10/2021 (Shift-II)
■ एक उपकरण है जिसका उपयोग विद्युत सर्किट में दो बिंदुओं के बीच विद्युत विभवांतर के मापन के लिए किया जाता है-	वोल्टमीटर	SSC MTS 06/10/2021 (Shift-II)
■ शरीर के भीतर, मुख्य रूप से हृदय या फेफड़ों में, उत्पन्न होने वाली ध्वनियों को सुनने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक चिकित्सा उपकरण है-	स्टैथोस्कोप	SSC MTS 22/10/2021 (Shift-III)
■ एक निश्चित स्तर से ऊपर, किसी विमान की ऊँचाई को मापने के लिए किस वैज्ञानिक उपकरण का उपयोग किया जाता है-	अल्टीमीटर	SSC CHSL 13/04/2021 (Shift-I)
■ एक पाइप में बहने वाले द्रव के प्रवाह की गति और दर को मापने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण का नाम है-	वेन्चुरीमीटर	SSC CHSL 16/04/2021 (Shift-III)
■ भूकंपों को पहचानने और उन्हें रिकॉर्ड करने के लिए निम्न उपकरण का उपयोग किया जाता है-	सीस्मोग्राफ	SSC GD 07/12/2021 (Shift-III)
■ एक मौसम संबंधी उपकरण है, जिसमें एक कीप (फनल) के आकर का संग्राहक होता है जो एक मापने वाली ट्यूब से जुड़ा होता है तथा इसका उपयोग एक निश्चित समय में प्रति इकाई क्षेत्रफल में वर्षा के मापन के लिए किया जाता है-	मानक वर्षा गेज	SSC CHSL 26/05/2022 (Shift-I)
■ निम्न उपकरण का उपयोग पनडुब्बियों में समुद्र-स्तर के ऊपर की वस्तुओं को देखने के लिए किया जाता है-	परिदर्शी (पेरिस्कोप)	SSC MTS 09/08/2019 (Shift-III) SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-II)
■ मीटर जो वाहन की चाल मापता है, कहलाता है-	पथमापी (स्पीडोमीटर)	SSC MTS 10-10-2017 (Shift-I)
■ सेक्सटैन्ट उपकरण का प्रयोग निम्न में होता है-	नौसंचालन	(SSC CGL (TIER-1) 08-09-2016, 4.15 pm)
■ एक उपकरण जिसका उपयोग यह परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है कि कोई वस्तु आवेश प्रवाहित /ले जा रही है या नहीं-	इलेक्ट्रोस्कोप	SSC JE Mechanical 27.10.2020 (Shift-I)
■ सापेक्षिक आर्द्रता को मापा जाता है-	हाइग्रोमीटर की सहायता से	SSC JE Civil 29.10.2020 (Shift-I) SSC GD 14/02/2019 (Shift-II) (SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm) (SSC CGL (TIER-1) 07-09-2016, 10 am)
■ मानक श्रोत के संदर्भ में अज्ञात श्रोत द्वारा उत्पादित प्रकाश की तीव्रता को मापने के लिए, उपकरण का उपयोग किया जाता है-	फोटोमीटर	SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-II)
■ वर्षा मापने के यंत्र को कहा जाता है-	हायेटोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 10 am)
■ यूडियो मीटर मापन करता है-	गैस का आयतन	(SSC CGL (TIER-1) 02-09-2016, 10 am)
■ ब्यूफोर्ट स्केल (पैमाना) मापा जाता है-	हवा की गति	(SSC CGL (TIER-1) 03-09-2016, 10 am)
■ स्पाइगमोमैनो-मीटर निम्न के रक्त दाब को मापता है-	धमनियों के	(SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 1.15 pm)
■ सूर्य की फोटोग्राफी के लिए उपकरण का प्रयोग किया जाता है-	स्पेक्ट्रो हीलियोग्राफ	(SSC CGL (TIER-1) 04-09-2016, 4.15 pm)
■ रक्त दाब का पता लगाने से संबंधित संवेदी ग्राही (रिसेप्टर) है-	मेकानो रिसेप्टर	(SSC CGL (TIER-1) 27-10-2016, 10 am)
■ कम तापमान को मापने के यंत्र को कहा जाता है-	क्रायोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)

■ किये गये काम को मापने के यंत्र को कहा जाता है-	अर्गोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 4.15 pm)
■ विकिरण के सभी प्रकारों (अल्फा, बीटा और गामा) का पता लगाने और उनकी माप के लिए प्रयोग किया जाने वाला उपकरण है-	गीगर काउंटर	(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)
■ आकाश या समुद्र की नीलिमा को मापने के यंत्र को कहा जाता है-	सायनोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 1.15 pm)
■ समय को मापने के यंत्र को कहा जाता है-	क्रोनोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 10 am)
■ प्रकाश की तीव्रता को मापने के यंत्र को कहा जाता है-	ल्यूसीमीटर	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 4.15 pm)
■ विशिष्ट गुरुत्व को मापने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले साधन को ..... जाता है-	एयरोमीटर	(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 4.15 pm)
■ हम दूध का विशिष्ट गुरुत्व मापेंगे-	हाइड्रोमीटर का उपयोग करके	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 1.15 pm)
■ विद्युत परिपथ में धारा का पता लगाने के लिए निम्न यंत्र का प्रयोग किया जाता है-	गैल्वेनोमीटर	SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)
■ विद्युत प्रतिरोध को मापने के लिए निम्न यंत्र का उपयोग किया जाता है-	ओममीटर	SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-I) Lower-II (Re-exam) (28-07-2019)
■ सही सुमेलन है-		UPPCS (Pre) G.S. 2003
<b>सूची-I</b> ( उपकरण/यंत्र ) A. अमीटर B. हाइड्रोमीटर C. बैरोमीटर D. स्प्रिंग तुला	<b>सूची-II</b> ( मापन की राशि ) 1. विद्युत धारा 2. सापेक्ष आर्द्रता 3. दाब 4. भार	
■ सही सुमेलन है-		UPPCS (Pre) G.S. 2008
<b>सूची-I</b> A. स्टेथोस्कोप B. स्फिग्मोगैन्डोमीटर C. कैरेटोमीटर D. लक्स मीटर	<b>सूची-II</b> 1. हृदय की ध्वनि सुनने के लिए 2. रक्त चाप मापने के लिए 3. सोने की शुद्धता का पता लगाने के लिए 4. प्रकाश की तीव्रता मापने के लिए	
■ सही सुमेलन है-		UPPCS (Main) G.S. IInd 2012
<b>सूची-I</b> A. ऐनीमोमीटर B. सीस्मोग्राफ C. बैरोग्राफ D. हाइड्रोमीटर	<b>सूची-II</b> 1. वायु वेग 2. भूकम्प 3. वायुमण्डलीय दाब 4. वायुमंडलीय आर्द्रता	
<b>यांत्रिकी एवं गुरुत्व के अधीन गति</b>		
■ ढालू सड़क पर पत्थर लुढ़काना, ऊर्ध्व (ऊपर) की ओर उठाने से अधिक आसान होता है क्योंकि-	पत्थर को लुढ़काने में किया गया कार्य इसे उठाने की अपेक्षा कम होता है	राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Morning)
■ नदी का बहता हुआ जल ..... प्रकार का ऊर्जा संवहन करता है-	गतिज	अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)
■ एक गतिशील बस में अचानक ब्रेक लगाने से सवारी आगे की ओर झुक जाती है, यह पालन करता है-	न्यूटन के प्रथम नियम का	कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पेटिटिव - 24-01-2016
■ जेट इंजन ..... के आधार पर काम करता है-	रैखिक संवेग संरक्षण	कृषि प्राविधिक - 15-02-2019
■ विसर्पी घर्षण होता है-	सीमित घर्षण से थोड़ा कम	व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)
■ एक साधारण लोलक की समय सीमा निर्भर करती है-	लोलक की लंबाई पर	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)
■ गति जो कुछ समय के बाद खुद को दोहराती है, उसे कहा जाता है-	आवधिक गति	कृषि प्राविधिक - 15-02-2019

■ गुरुत्वाकर्षण नहीं है—	कृत्रिम उपग्रह के पास	UPSSSC Mandi Parishad 22/05/2022
■ स्थिर गति से दौड़ रही एक रेलगाड़ी में बैठा यात्री, लंबवत ऊपर की दिशा में गेंद फेंकता है। वह गेंद गिरेगी—	यात्री के हाथों में	व्यायाम प्रशिक्षक - 16-09-2018 (Shift-II)
■ 'g' का मान न्यूनतम होता है—	विषुवत रेखा पर	कम्बाईड मेडिकल सर्विसेस कम्पेटिटिव - 24-01-2016
■ अप्रयुक्त किताब दो वर्ष के लिए शेल्फ पर बनी रही जब तक उसे हटाया नहीं गया था। यह एक उदाहरण है—	न्यूटन के गति के प्रथम नियम का	UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-I)
■ मैं दीवार पर मारने के लिए एक गेंद फेंकता हूँ और वह वापस मेरे पास आ जाती है। यह उदाहरण है—	न्यूटन के गति के तृतीय नियम का	UPP Com. Operator. 19-05-2016 (Shift-II)
■ वह वेग है जिससे उपग्रह पृथ्वी की गुरुत्वीय शक्ति से बाहर निकल जाए, उसे कहते हैं—	पलायन वेग	UPSI, 1999
■ एक सितार में ध्वनि तरंगें उत्पन्न होती हैं—	अप्रगामी एवं अनुप्रस्थ प्रकार की	UPPCS RO/ARO (Pre) 2021
■ प्रत्येक क्रिया के लिए एक समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है, यह नियम दिया था—	न्यूटन ने	UPPCS RO/ARO (Mains) 2017
■ लिफ्ट में किसी पिंड का अभासी भार उसके वास्तविक भार से अधिक होता है यदि लिफ्ट—	ऊपर की ओर त्वरित होती है	Govt. Inter College (Pravakta) 2015
■ एक भारहीन खबर के गुब्बारे में 200 ग्राम जल भरा जाता है। जल में इसका भार होगा— शून्य		UPPSC Asst. Forest Conservator Exam. 2015 UP Ro/ARO (M) 2014
■ जब किसी पिण्ड को चन्द्रमा से पृथ्वी पर स्थानान्तरित किया जाता है तो—	पृथ्वी पर उसका भार बढ़ जाता है तथा मात्रा अपरिवर्तित रहती है	UPPCS (Main) G.S. 2003
■ जब किसी वस्तु को पृथ्वी से चन्द्रमा पर ले जाया जाता है तो—	उसका भार घट जाता है	UPPCS (Pre) G.S. 2006
■ वस्तु की मात्रा बदलने पर अपरिवर्तित रहेगा—	घनत्व	UPPCS (Pre.) G.S. 1992
■ यदि 100 ग्राम चीनी को आधा लीटर पानी में मिलाकर एक असंतृप्त चीनी का घोल तैयार किया जाए तो वह भौतिक राशि जो नहीं बदलेगी—	आयतन	UPPCS (Pre) G.S. Ist 2017
■ लोलक घड़ियाँ गर्मियों में सुस्त हो जाती हैं क्योंकि—	लोलक की लम्बाई बढ़ जाती है जिससे इकाई दोलन में लगा हुआ समय बढ़ जाता है	UPPCS (Pre) G.S. 1994, 2012
■ जब कुएँ से पानी की बाल्टी को ऊपर खींचते हैं तो हमें महसूस होता है कि बाल्टी—	पानी की सतह से ऊपर भारी हो गई है	UPPCS (Pre) G.S. 2009
■ 'पीसा' (Pisa) की झुकी हुई मीनार गिर नहीं जाती है, क्योंकि—	गुरुत्वाकर्षण केन्द्र से जाने वाली ऊर्ध्वाधर लाइन (रेखा) तल के अन्दर रहती है	UPPCS (Pre) G.S. 2009
■ समान गति से जा रहे हवाई जहाज से यदि एक बम नीचे गिराया जाता है तो बम के नीचे पहुँचने तक हवाई जहाज की स्थिति होगी—	बम के ठीक ऊपर	UPPCS (Pre) G.S. Spl. 2004
■ प्रेशर कुकर के अन्दर का उच्चतम ताप निर्भर करेगा—	ऊपर के छेद का क्षेत्रफल व उस पर रखे गये वजन पर	UPPCS (Pre) G.S. 1995
■ हवाई जहाज से यात्रा करते समय पेन से स्याही निकलने लगती है—	वायुदाब में कमी के कारण	UPPCS (Pre) G.S. 1992
■ रॉकेट कार्य करता है—	संवेग संरक्षण सिद्धान्त पर	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2014
■ जेट इंजन कार्य करता है—	रैखिक संवेग संरक्षण सिद्धान्त पर	UP RO/ARO (M) 2013
■ यदि पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अचानक लुप्त हो जाता है तो परिणाम होगा—	वस्तु का भार शून्य हो जायेगा परन्तु द्रव्यमान वही रहेगा	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2012
■ यदि पृथ्वी और सूर्य की दूरी जो है उनके स्थान पर दोगुनी होती तो सूर्य द्वारा पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण बल जो पड़ता, वह होता—	अब जितना है उसका चौथा भाग	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2009

■ किसी वस्तु का भार-	ध्रुवों पर अधिकतम होता है	UPPCS (Main) G.S. IInd 2009
■ लोहे की एक गेंद जिसका पृथ्वी पर भार 10 कि.ग्राम है, का अन्तरिक्ष में भार होगा-	शून्य	UP Lower (Pre) 2004
■ मानव शरीर का भार अधिकतम होता है-	ध्रुवों पर	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2015
■ वायुमंडलीय दाब का अचानक गिरना इंगित करता है-	तूफान	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2008
■ एक व्यक्ति स्थिर जल में नाव में खड़ा है। यदि वह किनारे की ओर चले तो नाव-	किनारे से दूर बढ़ेगी	UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper 2008
■ पानी से भरे एक बीकर में एक बर्फ का टुकड़ा तैर रहा है। जब संपूर्ण बर्फ पिघल जाएगी तो-	पानी की सतह अपरिवर्तित रहेगी	UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper 2008
■ एक व्यक्ति चलती रेलगाड़ी में इंजन की ओर मुँह करके बैठा है। वह एक सिक्का उछालता है जो उसके पीछे गिरता है। रेलगाड़ी चल रही है-	आगे गतिवर्धन के साथ	UPPCS (Main) Spl. G.S. IInd Paper 2008
■ नदियों में पानी के बहाव के लिए जिम्मेदार है-	घर्षण का बल	UPPCS (Main) Spl.G.S.II <sup>nd</sup> 2008
■ पानी का घनत्व अधिकतम होता है-	4°C पर	UPPCS (Main) G.S. II <sup>nd</sup> 2008
■ जल का अधिकतम घनत्व होता है-	277 केल्विन पर	UPPCS (Main) G.S. IInd 2015
■ एक ट्रेन जैसे ही चलना आरम्भ करती है उसमें बैठे हुए यात्री का सिर पीछे की ओर झुक जाता है। इसका कारण है-	स्थिरता का जड़त्व	UP UDA/LDA (Pre) 2010
■ वायु शक्ति (विण्ड पावर) में ऊर्जा का वह रूप जो विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित होता है-	गतिज ऊर्जा	UPPCS (Pre.) G.S. 2016
■ समुद्र में प्लवन करते हुए आइसबर्ग का समुद्र की सतह से ऊपर होता है-	1/9 भाग	UPPSC Asst. Forest Exam 2013
■ अन्तरिक्ष यात्री निर्वात में सीधे खड़े नहीं रह सकते हैं क्योंकि-	गुरुत्व नहीं होता है	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2007
■ जब एक चलायमान वस्तु का वेग दोगुना हो जाता है, तो उसकी गतिज ऊर्जा होगी-चार गुनी		UPPSC Asst. Forest Conservator Exam 2013
■ एक अन्तरिक्ष यान, जो चक्कर लगा रहा है, से एक सेब छोड़ा जाता है, तो वह-	अन्तरिक्ष यान के साथ-साथ उसी गति से गतिमान होगा	UPPCS (Pre) GS, 2010
■ कलाई घड़ियों में, प्रदर्शन युक्तियों में एवं पॉकेट कैलकुलेटर में प्रयुक्त होते हैं-	द्रव क्रिस्टल	UPPSC AE-2004
■ जब एक व्यक्ति उपग्रह में पृथ्वी के चक्कर लगाता है, तो उसका-	द्रव्यमान अपरिवर्तनीय रहता है परन्तु भार शून्य हो जाता है	UPPSC AE-2011
■ अपने कक्ष में एक उपग्रह बराबर पृथ्वी के चक्कर लगाता रहता है। वह ऐसा करता है-	अभिकेन्द्रित बल के कारण	UPPSC AE-2011
■ एक वस्तु उस समय स्थित संतुलन में होती है, जब वह-	एक समान वेग से चलती रहती है	(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 4.15 pm)
■ गैल्वेनोमीटर को, किससे जोड़ कर, वोल्टमीटर में परिवर्तित किया जा सकता है-	श्रेणी में उच्च प्रतिरोध	(SSC CGL (TIER-I) 03-09-2016, 4.15 pm) (SSC CGL (TIER-I) 02-09-2016, 10 am)
■ किसी पदार्थ के.....को उस पदार्थ की सतह से एक मुक्त इलेक्ट्रॉन को दूर करने के लिए लगने वाले आवश्यक काम की न्यूनतम राशि के रूप में परिभाषित किया जाता है-	कार्य फलन	(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 10 am)
■ किसी प्रणाली पर लगाये गये बाहरी बल द्वारा उस प्रणाली को या एक प्रणाली के द्वारा किये गये ऊर्जा के यांत्रिक हस्तांतरण को कहते हैं-	काम	(SSC 10+2 CHSL 07.02.17, 1.15 pm)
■ किये गये कार्य की दर है-	शक्ति	SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-II) (SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 4.15 pm)
■ गिरते हुए नारियल, तेज रफ्तार कारों, लुढ़कते पथरों और उड़ते विमानों से, ऊर्जा संबंधित है-	गतिज ऊर्जा	SSC CGL Mains -26/10/2023 (Shift-I)
■ यांत्रिक ऊर्जा, स्थितिज ऊर्जा और _____ ऊर्जा का योग है-	गतिज	SSC MTS 06/10/2021 (Shift-I)
■ किसी पिंड की गतिज और स्थितिज ऊर्जाएं उसकी .....ऊर्जा की घटक होती हैं-	यांत्रिक	SSC MTS 18/10/2021 (Shift-III)
■ गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा का उदाहरण है-	बाँध के पीछे स्थित पानी	SSC CHSL 15/04/2021 (Shift-II)
■ जल-वैद्युत शक्ति केन्द्र (हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर स्टेशन) टर्बाइनों पर पड़ने वाली और शाफ्ट को घुमाने वाली जल की शक्ति का इस्तेमाल करके विद्युत उत्पन्न करते हैं। टर्बाइन के शाफ्ट को घुमाने से पानी की स्थितिज ऊर्जा _____ ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है-	गतिज	SSC CHSL 09/06/2022 (Shift-II)

■ निम्न ऊर्जा रूपांतरण है जो प्रकाश संश्लेषण नामक प्रक्रिया में होता है— <b>प्रकाश ऊर्जा से रासायनिक ऊर्जा</b>	SSC CGL (Tier-I)-2019 – 04/03/2020 (Shift-III)
■ पवन-चक्की (टर्बाइन) _____ ऊर्जा को यांत्रिक शक्ति में परिवर्तित करती है— <b>गतिज</b>	SSC CGL (Tier-I) – 13/06/2019 (Shift-II)
■ गतिज ऊर्जा निर्भर करती है— <b>गतिशील पिण्ड के वेग तथा द्रव्यमान पर</b>	SSC CGL (TIER-I) 02-09-2016, 4.15 pm
■ जल विद्युत उत्पादन के लिए मुख्य रूप से निम्न वैज्ञानिक सिद्धान्त जिम्मेदार होता है— <b>गुरुत्वीय स्थितिज ऊर्जा का विद्युत ऊर्जा में रूपांतरण</b>	SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)
■ किसी वस्तु के जड़त्व को उसके.....द्वारा मापा जाता है— <b>द्रव्यमान</b>	SSC CHSL 05/08/2021 (Shift-II)
■ अत्यधिक द्रव्यमान वाले पिंड में उच्च ..... होता है— <b>जड़त्व</b>	SSC JE Electrical – 24/03/2021 (Shift-II)
■ कोई वस्तु अपनी विरामावस्था या गतिमान अवस्था में होने वाले परिवर्तन का विरोध करती है, उनकी यह स्वाभाविक प्रवृत्ति कहलाती है— <b>जड़त्व</b>	SSC GD 24/11/2021 (Shift-II)
■ 1687 में प्रकाशित, फिलॉसफी नेचुरलिस प्रिंसिपिया मैथमेटिका (Philosophiae Naturalis principia mathematica), जिसे प्रिंसिपिया के नाम से भी जाना जाता है, किस वैज्ञानिक की महान कृति है— <b>आइज़ैक न्यूटन</b>	SSC CHSL 06/06/2022 (Shift-III)
■ न्यूटन का निम्न नियम बल की परिमाणात्मक परिभाषा देता है— <b>गति का दूसरा नियम</b>	SSC CGL (Tier-I) 12/04/2022 (Shift-I)
■ जड़त्व (जड़ता) है— <b>वर्तमान स्थिति में होने वाले परिवर्तन का प्रतिरोध करने की प्रवृत्ति</b>	(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 1.15 pm)
■ जब तक किसी वस्तु पर बाहरी बल न लगे, तब तक स्थिर वस्तु स्थिरावस्था में ही रहती है, या यदि वह गतिशील है, तो निश्चित गति से एक सरल रेखा में गतिशील रहती है। यह नियम <b>जड़त्व का नियम</b>	SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-II)
■ आइजेक न्यूटन ने गति के कितने नियमों का सूत्रीकरण किया था— <b>3</b>	SSC JE Mechanical - 27/09/2019 (Shift-II)
■ एक तोप फायरिंग के बाद पीछे हटती है— <b>न्यूटन की गति का तीसरा नियम</b>	SSC CGL (TIER-I) 10-09-2016, 1.15 pm
■ न्यूटन का पहला नियम.....के रूप में भी जाना जाता है— <b>जड़त्व का नियम</b>	(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 4.15 pm)
■ एक वस्तु जब तक स्थिर है तब तक वह स्थिर ही रहेगी, और यदि गति में है, तो वह गति में ही रहेगी, जब तक उस पर कोई बाह्य बल नहीं लगाया जायेगा। यह न्यूटन का— <b>प्रथम नियम है</b>	(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 4.15 pm)
■ एक बल उस वस्तु पर कार्य करता है जो चलने के लिए स्वतंत्र है। यदि हमें बल की मात्रा तथा वस्तु का द्रव्यमान ज्ञात है तो न्यूटन के गति का दूसरा नियम हमें वस्तु के.....को निर्धारित करने में सक्षम बनाता है— <b>त्वरण</b>	SSC MTS 7-10-2017 (Shift-I)
■ रॉकेट प्रणोदन प्रौद्योगिकी (Rocket propulsion technology) निम्न वैज्ञानिक सिद्धान्त पर काम करती है— <b>न्यूटन के गति के नियम</b>	SSC JE Civil – 23/03/2021 (Shift-I)
■ बल के आयाम हैं— <b>[MLT<sup>-2</sup>]</b>	SSC CHSL (Tier-I) – 14/08/2023 (Shift-II)
■ यदि दो बल विपरीत दिशाओं से किसी पिंड पर कार्य करते हैं, तो उस पर कार्य करने वाले शुद्ध बल का परिमाण दोनों बलों के परिमाण का होता है— <b>अंतर</b>	SSC MTS 11/10/2021 (Shift-I)
■ निम्न मात्रा को मरोड़ सन्तुलन का उपयोग करके मापा जाता है— <b>बल</b>	SSC CHSL 10/08/2021 (Shift-III)
■ बल के परास का घातांक 10 <sup>-16m</sup> होता है— <b>दुर्बल नाभिकीय</b>	SSC CGL (Tier-I) 13/04/2022 (Shift-I)
■ बल आघूर्ण की दिशा होती है— <b>प्रयुक्त बल की दिशा के लंबवत्</b>	(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 10 am)
■ बल आघूर्ण की एस. आई. इकाई है— <b>न्यूटन-मीटर</b>	(SSC 10+2 CHSL 29.01.17, 10 am)
■ बल के अनुप्रयोग के बिंदु और रोटेशन के धुरी की बीच सीधी दूरी को कहते हैं— <b>आघूर्ण भुजा</b>	(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 4.15 pm)
■ घूर्णन करने वाली वस्तु पर लगाये गये एक बड़े बल का परिणाम बड़े.....में होता है— <b>बल आघूर्ण</b>	(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)

■ विज्ञान में किसी वस्तु पर लगने वाले धक्के या खिंचाव को कहते हैं-	बल	SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-II)
■ यदि स्थिति और संवेग में अनिश्चितता बराबर है, तो वेग में अनिश्चितता होगी-	$1/2m \sqrt{h/\pi}$	SSC CHSL (Tier-I) - 10/08/2023 (Shift-II)
■ दूरी का सूत्र है-	गति $\times$ समय	(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 1.15 pm)
■ दिया गया समीकरण एक वृत्ताकार पथ पर चलने वाली पिंड की गति का गुण प्रदान करता है। इस समीकरण में 'v' है-	चाल/गति	SSC CGL (Tier-I) - 25/07/2023 (Shift-IV)
■ किसी वस्तु द्वारा एकांक समय में तय की गई दूरी को कहते हैं-	चाल	SSC MTS 11-10-2017 (Shift-II)
■ एक वस्तु को किस प्रकार की गति में कहा जाएगा यदि किसी सरल रेखा में चलते हुए उसकी चाल परिवर्तित होती रहती है-	असमान गति	SSC MTS 10-10-2017 (Shift-III)
■ प्रक्षेप्य के पथ को उसका.....कहा जाता है-	प्रक्षेप्य पथ	(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 1.15 pm)
■ जब किसी कण को ऊर्ध्वाधर ऊपर की ओर फेंका जाता है और जब वह सबसे ऊँचे बिन्दु तक पहुँच जाता है तो उसका-	त्वरण नीचे की ओर होता है	SSC CGL (TIER-I) 09-09-2016, 1.15 pm
■ यदि एक गेंद ऊपर फेंकी जाती है, तो निम्न परिवर्तित नहीं होता-	त्वरण	(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)
■ एक प्रक्षेप्य गति में प्राप्त की गई, क्षैतिज सीमा एक समान होती है, चाहे वस्तु को थोड़ा और.....पर प्रक्षेपित किया जाये-	90 अंश ऋण थोड़ा	(SSC 10+2 CHSL 11.01.17, 10 am)
■ एक तोप का गोला दागा गया है। इस गोले की गति .....का एक उदाहरण है-	प्रक्षेप्य गति	(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 1.15 pm)
■ यदि कोई वस्तु ऊपर की तरफ फेंकी जाये तो अधिकतम ऊँचाई पर पहुँचने पर उसका वेग होगा-	0 मी/से	(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 10 am)
■ पृथ्वी की सतह से फायर किये गए प्रक्षेप्य की गति के दौरान-	उसके वेग का क्षैतिज घटक स्थिर रहता है	SSC CGL (TIER-I) 11-09-2016, 1.15 pm
■ प्रति इकाई समय में, किसी वस्तु के वेग में परिवर्तन की दर कहलाती है-	त्वरण	SSC GD 08/12/2021 (Shift-II)
■ त्वरण के SI मात्रक में 'सेकंड' का घातांक होता है-	-2	SSC CGL (Tier-I) 18/04/2022 (Shift-I)
■ त्वरण ----- के परिवर्तन की दर के बराबर है-	वेग	SSC CGL (Tier-I) 20/04/2022 (Shift-III)
■ त्वरण होता है-	मात्रा का व्युत्क्रमानुपाती, बल का समानुपाती	(SSC 10+2 CHSL 16.01.17, 4.15 pm)
■ एक वेग-समय ग्राफ की ढलान दर्शाती है-	त्वरण	(SSC 10+2 CHSL 03.02.17, 4.15 pm)
■ गति का एक समीकरण है-	$2s = 2ut + at^2$	SSC GD 03/03/2019 (Shift-I)
■ इस प्रकार के घर्षण को स्वयं-समायोजन बल (self-adjusting force) माना जाता है-	स्थैतिक घर्षण	SSC MTS - 15/05/2023 (Shift-I)
■ घर्षण, सतहों की चिकनाई पर निर्भर करता है। घर्षण बल हमेशा प्रयुक्त बलों-	का विरोध करता है	SSC MTS 18/10/2021 (Shift-II)
■ हम बिना फिसले पृथ्वी पर चलने में सक्षम हैं-	घर्षण बल के कारण	SSC CGL (TIER-I) 28-08-2016, 10 am
■ ब्रेक लगाने पर वाहन को रोकने वाले बल को कहते हैं-	घर्षण बल	SSC CGL (TIER-I) 07-09-2016, 4.15 pm
■ यदि कोई वस्तु किसी सतह पर फिसलती है, तो उसके बीच गति का प्रतिरोध करने वाला बल, कहलाता है-	घर्षण	(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 4.15 pm)
■ यदि गति में रहते हुए घूर्णन की धुरी किसी वस्तु में से होकर गुजरती है, जो उस गति को कहा जाता है-	घुमाव गति	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 4.15 pm)
■ घूर्णन गति के दो प्रकार हैं-	स्पिन और कक्षीय गति	(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 4.15 pm)
■ यदि कोई वस्तु विशुद्ध रूप से घूमने वाली गति में चलती है, तो उसका प्रत्येक घटक कण एक वृत्त में चलता है, जिसका केन्द्र एक रेखा पर स्थित होता है, जिसे कहते हैं-	घूर्णन की धुरी	(SSC 10+2 CHSL 25.01.17, 10 am)

■ एक घूर्णन वस्तु पर.....हर बिंदु पर एक समान होता है-	<b>कोणीय वेग</b>	(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 1.15 pm)
■ जब नेट टॉर्क शून्य है, तब ..... स्थिर हो जाएगा-	<b>कोणीय संवेग</b>	(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 4.15 pm)
■ जड़त्वाघूर्ण, टॉर्क (ऐंठन) और कोणीय त्वरण के बीच सही संबंध है-	<b>कोणीय त्वरण = टॉर्क (ऐंठन)/जड़त्वाघूर्ण</b>	(SSC J.E. 01.03.17, 10:00 am)
■ सरल आवर्त गति करने वाले (m) द्रव्यमान के कण और आवर्तकाल (T) के बीच उचित संबंध है-	$T = 2\pi\sqrt{m/k}$	(SSC J.E. 02.03.17, 2:45 pm)
■ यदि कोई वस्तु एक वृत्तीय मार्ग में चल रही है, तो उसकी औसत गति क्या होगी यदि वह एक सेकंड में एक चक्कर पूरा करती है-	<b>शून्य</b>	(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 4.15 pm)
■ अपकेंद्री बल द्वारा..... कार्य किया जाता है-	<b>शून्य</b>	(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)
■ अभिकेन्द्रीय त्वरण और स्पर्शिका त्वरण के बीच कोण होता है-	<b>90°</b>	(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 1.15 pm)
■ सरल आवर्त गति करने वाले किसी कण की स्थितिज ऊर्जा (U) होती है-	<b><math>U = 0.5kx^2</math></b>	(SSC J.E. 03.03.17, 10:00 am)
■ सरल लोलक का आवर्तकाल..... है जहाँ $\ell$ लोलक की लंबाई और $g$ गुरुत्वीय त्वरण है-	$2\pi\sqrt{\ell/g}$	(SSC J.E. 02.03.17, 10:00 am)
■ निम्न विशेषता समान वृत्तीय गति के लिए सही नहीं है-	<b>दूरी सदैव विस्थापन के बराबर होती है</b>	SSC CPO-SI - 12/12/2019 (Shift-II)
■ लोलक द्वारा एक दोलन पूरा करने में लिए गए समय को कहते हैं-	<b>आवर्तकाल</b>	SSC MTS 10-10-2017 (Shift-II)
■ किसी सरल लोलक की गति एक ————— का उदाहरण है-	<b>आवर्ती गति</b>	SSC MTS 11-10-2017 (Shift-I)
■ एक दोलक (पेंडुलम) की चन्द्रमा पर समय अवधि उसकी पृथ्वी पर समय अवधि के/से-बढ़ेगी		SSC JE Civil - 27/01/2018 (Shift-I)
■ किसी साधारण पेंडुलम में एक छोटी धातु की गेंद या पत्थर का एक टुकड़ा एक धागे द्वारा दृढ़ स्टैंड से लटका हुआ होता है। धातु की गेंद/पत्थर के टुकड़े को पेंडुलम का, कहा जाता है-	<b>बॉब</b>	SSC JE Mechanical - 22/03/2021 (Shift-I)
■ 'एक्शन-रिए-डिस्टेंस' बल है-	<b>गुरुत्वाकर्षण</b>	SSC CPO-SI 23/11/2020 (Shift-II)
■ जिससे पृथ्वी सब वस्तुओं को अपनी ओर खींचती है, उस बल का नाम है-	<b>गुरुत्वाकर्षण</b>	SSC CHSL 12/10/2020 (Shift-III)
■ गुरुत्वाकर्षण का नियम, लागू होता है-	<b>किन्हीं भी दो वस्तुओं की जोड़ी</b>	(SSC 10+2 CHSL 01.02.17, 4.15 pm)
■ न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण के नियम के अनुसार दो वस्तुओं के बीच का बल होता है-	<b>उनकी द्रव्यमान के गुणज के समानुपातिक</b>	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 1.15 pm)
■ सबसे पहले G (गुरुत्वाकर्षण स्थिरांक) का मूल्य निर्धारित किया-	<b>लार्ड कैवेन्डिश</b>	(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 1.15 pm)
■ गुरुत्वाकर्षण के सन्दर्भ में, G को कहा जाता है-	<b>गुरुत्वीय स्थिरांक</b>	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 4.15 pm)
■ यदि दो वस्तुओं के बीच की दूरी तीन गुना बढ़ जाती है, तो उनके बीच आकर्षण का गुरुत्वाकर्षण बल-	<b>मूल का एक नौवां हो जाता है</b>	SSC JE Mechanical - 22/03/2021 (Shift-II)
■ एक लोहे की गेंद तथा समान त्रिज्या की एक लकड़ी की गेंद को निर्वात में ऊँचाई H से छोड़ा गया है भूमि पर पहुँचने के लिए उन दोनों द्वारा लिए गए समय है-	<b>ठीक बराबर</b>	SSC MTS 11-10-2017 (Shift-III)
■ यदि पृथ्वी के घूर्णन की गति बढ़ जाती है, तो शरीर का वजन-	<b>घट जायेगा</b>	(SSC CGL (TIER-1) 11-09-2016, 4.15 pm)
■ $g$ का अर्थ पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण उत्पन्न त्वरण है। $g$ का मान है-	<b>9.8 m/s<sup>2</sup></b>	SSC CHSL 17/03/2020 (Shift-II)
■ पृथ्वी की सतह से 2R की दूरी पर गुरुत्वाकर्षण ( $g$ ) के कारण त्वरण का मान..... होता है, जहाँ R पृथ्वी की त्रिज्या है-	<b><math>g/9</math></b>	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 10 am)
■ जब अन्तरिक्ष यान से पृथ्वी का परिक्रमण किया जाता है तो भारहीनता क्यों महसूस की जाती है-	<b>शून्य गुरुत्वाकर्षण</b>	(SSC CGL (TIER-1) 08-09-2016, 4.15 pm)
■ यदि पृथ्वी की त्रिज्या कम हो जाती है, और इसका द्रव्यमान स्थिर रहता है, तो "गुरुत्वाकर्षण के कारण त्वरण" का मान होगा-	<b>अधिक</b>	(SSC 10+2 CHSL 23.01.17, 10 am)

■ एक लिफ्ट जो एक समान वेग के साथ नीचे जा रही है, उसमें किसी व्यक्ति का स्पष्ट वजन होता है— <b>उसी के बराबर वजन जब व्यक्ति स्थिर रहता है</b>	(SSC 10+2 CHSL 20.01.17, 10 am)
■ एक ग्रह पर गुरुत्वाकर्षण के कारण.....के साथ त्वरण कम हो जाता है— <b>ग्रह की सतह से ऊँचाई में वृद्धि</b>	(SSC 10+2 CHSL 22.01.17, 4.15 pm)
■ पृथ्वी के केन्द्र में गुरुत्वाकर्षण के कारण त्वरण का मान होता है— <b>0</b>	(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 1.15 pm)
■ किसी वस्तु का अधिकतम भार किस स्थिति में होगा— <b>पृथ्वी के ध्रुवों पर</b>	(SSC CGL 03-09-2016, 1.15 pm)
■ किसी पिंड का वजन पृथ्वी के केन्द्र में होता है— <b>शून्य</b>	(SSC CPO (TIER-1) 2016)
■ यदि किसी वस्तु को ऊँचाई से नीचे गिराया जाये और वहाँ हवा का प्रतिरोध न हो— <b>उसकी गति बढ़ जाएगी</b>	(SSC 10+2 CHSL 07.01.17, 4.15 pm)
■ पृथ्वी के केन्द्र से $2R$ की ऊँचाई पर स्थित व्यक्ति का वजन.....जहाँ $R$ पृथ्वी की त्रिज्या है— <b>एक-चौथाई हो जाता है</b>	(SSC 10+2 CHSL 18.01.17, 1.15 pm)
■ एक वस्तु को एक निश्चित ऊँचाई से मुक्त रूप से गिराने पर वह 1 सेकंड में जमीन तक पहुँचती है, जमीन के साथ टकराने पर उसका वेग होगा— <b>9.8 मी./से.</b>	(SSC 10+2 CHSL 19.01.17, 1.15 pm)
■ किसी शरीर के भार ( $W$ ) को इस सूत्र द्वारा बताया जा सकता है— <b><math>W = mg</math></b>	(SSC 10+2 CHSL 24.01.17, 4.15 pm)
■ किसी ग्रह की त्रिज्या $R$ की कक्षा में परिक्रमा अवधि $T$ है। त्रिज्या $4R$ की कक्षा में परिक्रमा अवधि होगी— <b><math>8 T</math></b>	(SSC CPO (TIER-1) 2016)
■ उपग्रह को जब एक बार कक्षा में स्थापित कर दिया जाता है, तो इसकी गति को नियंत्रित करने वाला एकमात्र बल होता है— <b>गुरुत्वाकर्षण</b>	SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-II)
■ सही सुमेलन है— <b>सूची-I सूची-II</b> <b>( विशेषताएँ ) ( कण )</b> शून्य द्रव्यमान न्यूट्रिनो भिन्नात्मक चार्ज क्वार्क भिन्नात्मक स्पिन पोसिट्रॉन इंटीग्रल स्पिन बोसान	UPPCS (J) 2023

### स्थूल पदार्थों के गुण

■ वह धातु जो सबसे अधिक तन्य है— <b>सोना</b>	UPSSSC Van Rakshak Date : 21/08/2022
■ जल-स्थानांतरण के सिद्धान्त की खोज किया— <b>आर्किमिडीज ने</b>	अमीन परीक्षा- 14-08-2016 (Paper-I)
■ “लोहे की एक छोटी गोली पानी में डूब जाती है जबकि जहाज (जलयान) पानी पर तैरता है।” यह सिद्धान्त ..... वैज्ञानिक के सिद्धान्त पर आधारित है— <b>आर्किमिडीज</b>	ग्राम पंचायत अधिकारी- 21-02-2016
■ कणों की तरंग प्रकृति स्थापित की— <b>डी-ब्रोग्ली ने</b>	UPSI Batch-2, 16 Dec 2017
■ ध्वनि की तीव्रता की इकाई है— <b>डेसीबल</b>	UPSI (Mains), 2014
■ प्रतिध्वनि उत्पन्न होने का कारण है ध्वनि का— <b>परावर्तन</b>	UPSI (Pre), 2011
■ जब किसी पदार्थ का तापक्रम बढ़ता है तब उसके अणुओं की माध्य गतिज ऊर्जा के मान पर प्रभाव पड़ता है— <b>बढ़ता है</b>	UPSI, 1991
■ जब किसी साबुन के बुलबुले को आवेशित किया जाता है, तो घटित होता है— <b>त्रिज्या बढ़ जाती है</b>	UP PCS (Pre) 2019
■ विभिन्न स्थानों पर भार का मान परिवर्तित होता है जबकि द्रव्यमान रहता है— <b>स्थिर</b>	ACF/RFO (Mains) IInd 2018
■ एक कमजोर (दुर्बल) बल है जब तक कि अधिक द्रव्यमान प्रयुक्त न हो— <b>गुरुत्वाकर्षण बल</b>	ACF/RFO (Mains) IInd 2018
■ अर्द्धचालक है— <b>सिलिकान</b>	UPPCS (Pre) 2018
■ साबुन के बुलबुले के अन्दर का दाब— <b>वायुमण्डलीय दाब से अधिक होता है</b>	UPPCS (Pre) G.S. 1995 UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2014
■ तेल जल के तल पर फैल जाता है, क्योंकि— <b>तेल का तल तनाव, पानी से कम है</b>	UPPCS (Pre) G.S. 1994

■ लोहे की सुई पारे की सतह पर तैरती रहती है-	पृष्ठ तनाव के कारण	UPPCS (Main) G.S. Hnd Paper 2012
■ एक सुई पानी में डूब जाती है जबकि लोहे से बना जहाज पानी पर तैरता है क्योंकि- सुई का आपेक्षिक घनत्व उसके द्वारा हटाये हुये पानी के आपेक्षिक घनत्व से अधिक होता है		UP Lower (Pre) Spl. 2004
■ जब कोई जहाज नदी से सागर में घुसता है-	वह कुछ ऊपर उठता है	UP Lower (Pre) 2003-04
■ कमरे के ताप पर सिलिकॉन होता है एक-	अर्धचालक	UPPSC AE-2011
■ वस्तु का द्रव्यमान (mass)-	सब जगह एक समान रहता है	(SSC 10+2 CHSL 27.01.17, 4.15 pm)
■ किसी पिंड के संवेग को उसके निम्न के गुणनफल के रूप में परिभाषित किया जाता है-	द्रव्यमान और वेग	SSC GD 29/11/2021 (Shift-II)
■ लोहे का वह कौन सा गुण है, जिसके कारण गर्म लोहे के टुकड़े को पीटकर चाकू का रूप दिया जा सकता है-	आघातवर्धनीयता	SSC MTS 08/10/2021 (Shift-III)
■ कमानी तुला किस सिद्धांत पर काम करती है-	हुक नियम	(SSC CGL (TIER-1) 31-08-2016, 4.15 pm)
■ किसी वस्तु में उत्पन्न हुई विकृति उस पर लागू किये गये दबाव के सीधे समानुपातिक होती है, इसे कहते हैं-	हुक का नियम	(SSC 10+2 CHSL 15.01.17, 10 am)
■ मृदा द्वारा जल के अवशोषण से संबंधित सिद्धांत है-	केशिका क्रिया	(SSC CPO (TIER-1) 2016)
■ काँच की एक प्लेट पर पानी की बूँद फैल कर एक पतली परत बन जाती है जबकि पारे की बूँद गोलाकार बनी रहती है क्योंकि-	पारे की ससंजकता इसकी काँच के साथ आसंजकता से अधिक होती है	(SSC CGL (TIER-1) 27-08-2016, 4.15 pm)
■ किसी आदर्श द्रव की श्यानता होती है-	शून्य	(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 10 am)
■ दीपक की बाती में तेल के ऊपर चढ़ने का कारण है-	केशिका क्रिया	SSC JE Civil 29.10.2020 (Shift-I)
■ $AV =$ स्थिरांक, जहाँ $A =$ अनुप्रस्थ काट का क्षेत्रफल और $V =$ द्रव का वेग होता है। इस समीकरण को..... है-	निरंतरता का समीकरण	(SSC 10+2 CHSL 21.01.17, 10 am)
■ एक सुविही प्रवाह में, तरल पदार्थ में.....हर बिंदु पर एक समान रहता है-	वेग	(SSC 10+2 CHSL 10.01.17, 4.15 pm)
■ किसी तरल पदार्थ में डूबे हुए (आंशिक या पूर्ण रूप से) पिंड के भार में होने वाली कमी, विस्थापित तरल के भार के बराबर होती है। निम्न में से कौन-सा वैज्ञानिक, इस परिघटना को स्थापित करने वाला पहला व्यक्ति था-	आर्किमिडीज	SSC Stenographer – 12/11/2021 : Shift-I
■ लैक्टोमीटर, हाइड्रोमीटर, जहाजों और पनडुब्बियों को ----- के आधार पर डिजाइन किया गया है-	आर्किमिडीज के सिद्धांत	SSC GD 01/12/2021 (Shift-II)
■ इस कारण से वायु के बुलबुले तरल पदार्थ में उठते हैं-	श्यानता और उत्प्लावन	(SSC CGL (TIER-1) 27-08-2016, 10am)
■ जब बर्फ पानी के ऊपर तैरती है तब इसका.....हिस्सा पानी के बाहर रहता है-	0.1	(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 1.15 pm)
■ यदि एक बर्तन में तैरती हुई बर्फ पिघलती है तो उस बर्तन में जल का स्तर है-	कोई परिवर्तन नहीं होता	(SSC 10+2 CHSL 16.01.17, 4.15 pm)
■ किसी तैरती हुई वस्तु पर लगने वाले उर्ध्व बल को कहते हैं-	उछाल	(SSC 10+2 CHSL 08.02.17, 10 am)
■ अगर आकर्षण शक्ति ना हो, तो निम्न तरल पदार्थ के लिए लागू नहीं होगा-	ऊपरी दबाव	(SSC CGL (TIER-1) 31-08-2016, 4.15 pm)
■ लैक्टोमीटर (दूध के नमूने की शुद्धता निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है) और हाइड्रोमीटर (तरल पदार्थों के घनत्व को निर्धारित करने के लिए उपयोग किया जाता है) के सिद्धांत पर आधारित होते हैं-	आर्किमिडीज	SSC CPO-SI – 12/12/2019 (Shift-I)
■ पर्वतीय क्षेत्रों में जल का क्वथनांक होगा-	जितना समुद्र तल पर होता है, उससे कम	(SSC CGL (TIER-1) 01-09-2016, 4.15 pm)
■ पानी का क्वथांक ऊँचाई पर कम क्यों हो जाता है-	कम वायुमंडलीय दबाव के कारण	(SSC 10+2 CHSL 30.01.17, 4.15 pm)
■ अधिक ऊँचाई पर उड़ने वाले हवाई जहाज में स्याही वाले पेन लीक करते हैं-	पेन के बाहर कम वायुमंडलीय दबाव के कारण	(SSC 10+2 CHSL 17.01.17, 1.15 pm)

■ .....के अनुसार, दबाव प्रति इकाई क्षेत्रफल पर लगने वाले बल जिस पर वह कार्य करता है, के बराबर होता है-	पास्कल का सिद्धांत	SSC CGL (Tier-I) – 11/06/2019 (Shift-II)
■ एक ताजे अण्डे को नमक के पानी में डालने पर होता है-	तैरता है	(SSC CGL (TIER-I) 06-09-2016, 1.15 pm)
■ घनत्व सर्वाधिक होता है-	पानी	(SSC 10+2 CHSL 09.01.17, 10 am)
■ जब जल जम जाता है तो उसका घनत्व-	घटता है	SSC JE Civil - 29/01/2018 (Shift-I)
■ किसी पदार्थ की सामग्री का घनत्व उसके द्रव्यमान को ____ से विभाजित करने पर प्राप्त होता है-	आयतन	SSC JE Mechanical – 22/03/2021 (Shift-II)
■ यदि बंद पात्र में कुछ गैस निकाल कर दाब कम कर दिया जाए, तो गैस के अणुओं का माध्य मुक्त पथ होगा-	बढ़ेगा	(SSC CPO (TIER-I) 2016)
■ किसी गैस का आणविक द्रव्यमान होता है-	उसके वाष्पदाब से दोगुना	(SSC CGL (TIER-I) 09-09-2016, 4.15 pm)

### ध्वनि एवं तरंग गति

■ एक कंपित क्वार्ट्ज क्रिस्टल द्वारा हवा में उत्पन्न अल्ट्रासोनिक तरंगें ..... तरंग गति का एक उदाहरण हैं-	अनुदैर्घ्य	UPSSSC Lower Mains 21/10/2021 Paper-II
■ पराश्रव्य तरंगों (अल्ट्रासाउण्ड वेव्स) का प्रयोग किया जाता है-		Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-I)
1. चमगादड़ द्वारा अपने शिकार का पता लगाना 2. जल-पोत द्वारा समुद्र की तह की गहराई ज्ञात करना 3. मानव शरीर के आंतरिक अंगों में दोषों का निदान करना		
■ ध्वनि ..... माध्यम में यात्रा नहीं कर सकती है-	निर्वात	Lower Exam – 01-10-2019 (Shift-II)
■ वह विद्युत चुम्बकीय विकिरण जिसमें सबसे लंबे तरंग दैर्घ्य होते हैं-	रेडियो तरंगें	लोअर द्वितीय - 15-07-2018
■ एक ध्वनिक (sonorous) पदार्थ है-	लोहा	Lower Exam – 30-09-2019 (Shift-I)
■ समान प्रावस्था में कम्पायमान, माध्यम के किन्हीं दो सबसे निकटतम कणों के बीच की दूरी होती है-	तरंगदैर्घ्य	राजस्व लेखपाल - 13-09-2015 (Evening)
■ सबसे अधिक तरंगदैर्घ्य होता है-	नारंगी रंग का	कम्बाइंड मेडिकल सर्विसेस कम्पेटिटिव - 24-01-2016
■ रेडियो तरंग का वेग होता है-	$3 \times 10^8$ मी./सेकण्ड	स्टेनोग्राफर - 03-04-2016
■ FM प्रसारण बैंड..... के बीच होता है-	VHF रेंज	स्टेनोग्राफर - 03-04-2016
■ ध्वनि की गति सबसे तेज होती है-	लोहा में	गन्ना पर्यवेक्षक- 03-07-2016 (Paper-I)
■ ..... माप से अधिक ध्वनि को “शोर” का नाम दिया जाता है-	80 डेसीबल	वन रक्षक - 11-12-2015
■ सुपर-सोनिक स्पीड मापने का यूनिट है-	मैक	स्टेनोग्राफर - 03-04-2016
■ ..... आवृत्ति की ध्वनि मनुष्य द्वारा श्रव्य होगी-	100 Hz	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift-I)
■ ध्वनि तरंग की वह विशेषता जो इसके तारत्व को तय करती है-	आवृत्ति	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)
■ प्रतिध्वनि सुनने के लिए स्रोत तथा परावर्तन सतह के बीच न्यूनतम दूरी होनी चाहिए-	लगभग 17 मीटर	ग्राम पंचायत अधिकारी - 04-12-2016
■ दो व्यक्तियों के वार्तालाप में आवाज का डेसीबल स्तर होगा-	लगभग 30 db	चकबन्दी लेखपाल - 08-11-2015 (Evening)
■ दीवार से एक प्रतिध्वनि सुनने के लिए न्यूनतम दूरी है-	17.2m	कृषि प्राविधिक - 15-02-2019
■ ध्वनि का ..... माध्यम से गमन नहीं हो सकता है-	निर्वात	राज्य मण्डी परिषद् - 30-05-2019 (Shift - II)
■ ध्वनि मापक इकाई को कहते हैं-	डेसीबल	UPP Constable (Pre), 2013
■ ध्वनि की गति सर्वाधिक होती है-	बर्फ में	UPSI, 1999
■ मनुष्य का कान सबसे सुग्राही होता है-	1000 हर्ट्ज पर	UPPCS RO/ARO (Pre) 2021
■ सुनने की दृढ़ता होती है-	1/10 सेकेण्ड	UPPCS RO/ARO (Pre) 2021

■ दृष्टि की दृढ़ता होती है-	1 / 16 सेकेण्ड	UPPCS RO/ARO (Pre) 2021
■ पराध्वनिक विमान उड़ते हैं-	ध्वनि की चाल से अधिक चाल से	UPPSC Staff Nurse 2017(2022)
■ ध्वनि का एक महत्वपूर्ण अभिलक्षण 'तारत्व' (Pitch) निर्भर करता है-	आवृत्ति पर	UPPCS RO/ARO (Mains) 2017
■ ध्वनियों के छोटे विभाजनीय ध्वनि इकाइयों को स्पष्ट करता है जिसमें से प्रत्येक की एक अस्मिता होती है-	ध्वनिग्राम	DIET (Pravakta) Exam 2014
■ ध्वनि का वेग अधिकतम होता है-	स्टील में	Govt. Inter College (Pravakta) 2015
■ दूरसंचार के लिए प्रयुक्त तरंगें हैं-	माइक्रोवेव ( सूक्ष्म तरंगें )	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2013
■ दूरदर्शन प्रसारणों में ध्वनि संकेतों को प्रेषित करने में प्रयुक्त तकनीक है-	आवृत्ति मॉडुलन	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2007
■ किसी टी.वी. सेट को चलाने के लिए रिमोट नियंत्रण इकाई द्वारा प्रयोग किया जाता है-	अवरक्त व रेडियो तरंगों का	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2013
■ ध्वनि हानिकारक ध्वनि प्रदूषक कहलाती है-	80 dB से अधिक	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2008
■ थर्मस फ्लास्क में लम्बे समय तक तरल गर्म या ठंडा रहता है, क्योंकि ऊष्मा की कोई हानि अथवा प्राप्ति नहीं होती है-	संचालन, संवहन एवं विकिरण	UPPCS (Pre) 2019
■ ठोस तथा गैस दोनों माध्यम में चल सकती हैं-	ध्वनि तरंगें	UPPCS (Pre.) G.S. 2002
■ ध्वनि तरंगें नहीं चल सकती हैं-	निर्वात में	UPPCS (Pre) GS, 2014
■ पराश्रव्य वे ध्वनियाँ हैं जिनकी आवृत्ति होती है-	20,000 हर्ट्ज से अधिक	UPPCS (Pre) GS, 2012
■ सोनार (SONAR) में हम उपयोग करते हैं-	पराश्रव्य तरंगों का	
■ नजदीक आती रेलगाड़ी की सीटी की आवाज बढ़ती जाती है, जबकि दूर जाने वाली रेलगाड़ी के लिए घटती जाती है। यह प्रपंच (फिनामिनॉन) उदाहरण है-	डॉप्लर प्रभाव का	UPPCS (Main) G.S. IInd 2007
■ ध्वनि का वेग अधिकतम होता है-	धातु में	UPPCS (Main) G.S. IInd 2006 UP Lower (Pre) Spl. 2008
■ स्पष्ट रूप से प्रतिध्वनि सुनने के लिए परावर्तित सतह और सुनने वाले के मध्य कम से कम दूरी जो होनी चाहिए वह है-	16.5 मीटर	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2007
■ ध्वनि चलती है-	अनुदैर्घ्य तरंगों की तरह	UP Lower (Pre) 2004
■ चमगादड़ अंधेरी रातों में उड़ सकते हैं और अपना शिकार भी कर सकते हैं। इसका कारण है-	वे पराध्वनि तरंगें निकालते हैं और उन्हीं के द्वारा निर्देशित होते हैं	UPPCS (Main) G.S. IInd 2005
■ ये कीड़ों को नष्ट कर सकती है, ये कपड़ों से धूल हटाकर उन्हें साफ कर सकती है, इनका उपयोग बीमारियों के उपचार के लिए किया जा सकता है एवं ये स्वचालित दरवाजों को नियंत्रित कर सकती है, ये सभी गुण हैं-	पराश्रव्य तरंगों में	UPPCS (Main) G.S. Ist Paper 2004
■ सी.टी. स्कैन करने में प्रयोग में लाई जाती हैं-	एक्स किरणें	UPPCS (Main) G.S. IInd 2011
■ किसी हॉल में ध्वनि स्रोत को बन्द करने के बाद भी ध्वनि का कुछ देर तक सुनाई देना कहलाता है-	अनुरणन (Reverberation)	UPPCS (Main) G.S. IInd Paper 2007
■ रेडियो तरंगों द्वारा वस्तुओं की उपस्थिति और स्थिति ज्ञात करने के लिए मुख्य रूप से प्रयोग किया जाता है-	रडार का	UPPCS (Pre) G.S. 2008
■ वह तरंग जो कीड़ों को नष्ट कर सकती है-	पराश्रव्य तरंग	UPPSC AE-2008
■ वह तरंग जो कपड़ों से धूल हटाकर उन्हें साफ कर सकती है-	पराश्रव्य तरंग	UPPSC AE-2008
■ वह तरंग जो बीमारियों का उपचार कर सकती है और स्वचालित दरवाजों को नियंत्रित कर सकती है-	पराश्रव्य तरंग	UPPSC AE-2008
■ तरंगों की लम्बाई सर्वाधिक छोटी होती है-	$\gamma$ -किरणों में	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ लहरें एक स्थान से दूसरे स्थान को संचारित करती हैं-	ऊर्जा	UPPSC AE- 2007 Paper (II)
■ प्रेक्षागृह की दीवारें और छत रेशेदार सामग्री जैसे काँच रेशे से आच्छादित करी जाती हैं-	ध्वनि को अवशोषित और प्रतिध्वनि को बचाने हेतु	UPPSC AE-2011
■ एक अंतरिक्ष यात्री चन्द्रमा की सतह पर अपने सहायत्री को सुन नहीं सकता, क्योंकि-	ध्वनि प्रचारित होने का कोई माध्यम नहीं है	UPPSC AE-2011